भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

अमर उजाला

दिनांक : 19.02.2019

किसानों की आय बढ़ाने में मददगार होगा बायोगैस ऐप

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के मालवीय नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता संवर्धन केंद्र, इंडियन बायो गैस एसोसिएशन (आईबीए) और बुरहानी फाउंडेशन इंडिया के सहयोग से तैयार बायोगैस ऐप को सोमवार को निदेशक प्रो. पीके जैन ने लांच किया। इस दौरान बनारस और आसपास के जिलों से आए किसानों और ग्रीन ग्रुप की महिलाओं को ऐप की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी गई।

आईआईटी के गोपाल त्रिपाठी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में निदेशक ने इस ऐप को किसानों की आय बढ़ाने में मददगार बताया। कहा कि किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जाना जरूरी है। अब अपनी जैविक फसल, खाद, बीज आदि को बेचने के लिए बाजार का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। प्रो. पीके मिश्रा ने कहा कि ऐप की मदद से किसान फसलों, खाद को अच्छे दाम पर बेच सकेंगे। बुरहानी फाउंडेशन के शेख अब्दिली भानपुरावाला ने बताया कि एप का मुख्य उद्देश्य किसानों को एक ऐसा प्लेटफार्म उपलब्ध कराना है, जहां उनकी फसल, जैविक खाद के लिए अच्छा खरीददार मिल सके।

अब्दिली ने ग्रीन ग्रुप की महिलाओं से ऐप के बारे में लोगों को जागरूक करने की अपील की। इस दौरान ऐप के प्रयोग के बारे में किसानों के सवालों का जवाब भी दिया गया। कार्यक्रम में इंडियन बायो गैस एसोसिएशन हातिम भानपुरावाला, गौरव केडिया आदि मौजूद रहे।

आईआईटी बीएचयू में निदेशक ने की ऐप की लांचिंग

खेती के साथ करें मधुमक्खी पालन

चिरईगांव। औद्यानिक फसलों की खेती के साथ मधुमक्खी पालन करें। यहबातें सोमवार को बरियासनपुर इंटर कालेज के मैदान में आयोजित दो दिवसीय कृषक गोष्ठी सह किसान मेले के समापन पर जिला उद्यान अधिकारी संदीप गुप्ता ने कहीं। वरिष्ठ उद्यान निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने योजनाओं का लाभ लेने के लिए आनलाइन पंजीकरण, डीबीटी के बारे में बताया। बीएचयू के बीआर वर्मा, डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. पीके सिंह ने विचार रखे।